

देवत्व पुं. (तत्.) देवताओं की शक्ति।
 देवदार पुं. (तत्.) हिमालय पर्वत पर 6000 से 8000 फुट की ऊँचाई पर होने वाला एक ऊँचा वृक्ष जिसकी लकड़ी अत्यंत मजबूत मानी जाती है।
 देवदूत पुं. (तत्.) ईश्वर का दूत, ईसाई मत या इस्लाम के मत में पेंगबर या फरिश्ता।
 देवदेव पुं. (तत्.) देवों के भी देव, त्रिदेव- ब्रह्मा, विष्णु, महेश।
 देवद्रुम पुं. (तत्.) देवदारु/देवदार नामक वृक्ष।
 देवनागरी स्त्री. (तत्.) संस्कृत, हिंदी, मराठी, नेपाली आदि भाषाओं की लिपि।
 देवनिंदक वि. (तत्.) नास्तिक, जो वेदों या देवों को नहीं मानता है।
 देवपथ पुं. (तत्.) 1. जिस मार्ग से देवता आते हों, आकाशमार्ग 2. आकाशगंगा 3. देवमंदिर का मार्ग।
 देवपूजा स्त्री. (तत्.) 1. देवताओं की पूजा, धूप-दीप-नैवेद्य आदि द्वारा की जाने वाली भाव भक्तिमय पूजा 2. मूर्तिपूजा।
 देवपूजावाद पुं. (तत्.) देवी-देवताओं की पूजा में विश्वास रखने वाली विचारधारा।
 देवबाँस पुं. (तत्+तद्.) एक प्रकार का बाँस जो अपेक्षाकृत नरम होता है, जिसके कल्लों का अचार डाला जाता है।
 देवभाषा स्त्री. (तत्.) संस्कृत भाषा।
 देवभूमि स्त्री. (तत्.) देवताओं का कथित आवास-स्थान, स्वर्ग।
 देवमाता स्त्री. (तत्.) देवताओं की माता, अदिति।
 देवमुनि पुं. (तत्.) देवर्षि, नारद का एक नाम।
 देवमूर्ति स्त्री. (तत्.) किसी देवता विशेष की प्रतिमा।
 देवयज्ञ पुं. (तत्.) प्रतिदिन किया जाने वाला हवन, अग्निहोत्र।

देवयात्रा स्त्री. (तत्.) धूमधाम के साथ उत्सव के रूप में किसी देवता की पालकी निकालने का कार्यक्रम।
 देवयान पुं. (तत्.) 1. किसी देवता का वाहन या सवारी 2. दर्शन. आत्मा का शरीर त्यागकर ब्रह्मलोक जाने का मार्ग।
 देवयोनि पुं. (तत्.) देवताओं से भिन्न यज्ञ, किन्नर आदि योनियाँ।
 देवर पुं. (तत्.) पति का छोटा भाई तुल. जेठ।
 देवर-विवाह-अधिकार पुं. (तत्.) कुछ जातियों में प्रचलित एक प्रथा जिसके अनुसार पति की मृत्यु हो जाने पर विशेषकर संतानहीनता की स्थिति में स्त्री को देवर के साथ विवाह का अधिकार होता है, यदि देवर भी इसके लिए सहमत हो।
 देवराज पुं. (तत्.) देवताओं के राजा, इंद्र।
 देवरानी स्त्री. (तत्.) देवर की पत्नी तु. विलो. जेठानी।
 देवल पुं. (तत्.) 1. देवपूजा से निर्वाह करने वाला, ब्राह्मण, पुजारी 2. धार्मिक व्यक्ति 3. देवालया।
 देवलोक पुं. (तत्.) दे. देवभूमि।
 देववाणी पुं. (तत्.) दे. देवगिरा।
 देवविद्या स्त्री. (तत्.) 1. दर्शन के सिद्धांतों के अनुसार आत्मसाक्षात्कार द्वारा ब्रह्म का स्वरूप और उसके कार्यों को जानने की विद्या 2. निरुक्त नामक वेदांग।
 देववृक्ष पुं. (तत्.) दे. देवद्रुम।
 देवस्थल/देवस्थान पुं. (तत्.) मंदिर।
 देवस्वम् पुं. (तत्.) मंदिरों आदि द्वारा प्राप्त चढ़ावे की राशि।
 देवांगना स्त्री. (तत्.) देवलोक की स्त्रियाँ, अप्सरा।
 देवांश पुं. (तत्.) 1. आय का एक भाग जो देवता के लिए सुरक्षित रखा जाता है, धर्मदाय 2. किसी देवता के अंश से उत्पन्न 3. विष्णु का अंशावतार।